अधिगम कर्त्ता एवं अधिगम प्रक्रिया का बोध

Notes

(UNDERSTANDING the LEARNER AND LEARNING PROCESS)

नवजात शिशु जन्म के समय असहाय अवस्था में रहता है। वह दूसरों पर निर्भर रहता है। कालान्तर में वही शिशु अनेक चीजें सीख जाता है। सीखने की प्रक्रिया जीवन-पर्यन्त चलती रहती है। अधिगम अर्थात् सीखना प्राणियों का एक जन्मजात गुण है। अधिगम एक अत्यधिक व्यापक संकल्पना है। मनुष्य अपने जीवन के प्रारम्भ से लेकर अंत तक कुछ-कुछ सीखता रहता है।

अधिगम का अर्थ :-
(MEANING OF LEARNING)

अधिगम किसी स्थिति के प्रति सक्रिय प्रतिक्रिया है। एक बालक जलती हुई मोमबत्ती को छू लेने से जल जाता है। उसके लिए यह पहला कटु अनुभव होता है। दूसरी बार वह मोमबत्ती से दूर रहता है। बालक यह सीख जाता है। लौ को हाथ लगाया जायेगा तो अवश्य ही जल जाने की पीड़ा उठानी पड़ेगी। इस प्रकार के प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष अनुभवों के माध्यम से एक व्यक्ति के व्यवहार में व्यापक परिवर्तन होते रहते हैं। 'अनुभव द्वारा व्यवहार में होने वाले परिवर्तन को सामान्य रूप से सीखने की संज्ञा दी जाती है।

अधिगम पूर्व अनुभव द्वारा व्यवहार में परिवर्तनशील प्रक्रिया है।

DATE

अधिगम की परिभाषाएँ :-

(DEFINITIONS of LEARNING)

1- गेट्स के अनुसार- "अनुभव और प्रशिक्षण प्रशिक्षण द्वारा व्यवहार में परिवर्तन लाना ही आधिगम होता है"।

"Learning is the modification of Behaviour Through Experience and Training"

2. स्किनर के अनुसार- "सीखना व्यवहार के मे उत्तरोत्तर समायोजन की प्रक्रिया है"

"Learning is a Process of Progressive Behaviour adaptation."

3- वुडवर्थ के अनुसार - "नवीन ज्ञान और नवीन प्रतिक्रियाओं के प्राप्त करने की प्रक्रिया सीखने की प्रक्रिया है" "The Process of acquiring new Knowledge and new Responces in the Process of Learning."

4- क्रो एवं क्रो के अनुसार - "आधिगम, आदतों, ज्ञान एवं अभिवृत्तियों का अर्जन है"

5- स्लेयर, जोन्स और सिम्पसन के अनुसार "व्यवहार में कोई परिवर्तन जो अनुभव का परिणाम और उसके फलस्वरूप व्यक्ति आने वाली स्थितियों का भिन्न प्रकार से सामना करता है, आधिगम कहलाता है।" "Any change of Behaviour which is a Result of Experince and which causes People to face Lete situation differently may by called Learning"

आधिगम की प्रकृति :-

(NATURE OF LEARNING)

1- आधिगम एक सक्रिय प्रक्रिया है।
2- आधिगम व्यक्ति की क्रियाशीलता पर निर्भर होता है
3. आधिगम विकास की प्रक्रिया है। जहाँ व्यक्ति को स्व-प्रयास करना पड़ता है।
4. आधिगम व्यक्ति के वातावरण के अनुरूप व्यक्ति में परिवर्तन लाता है ये परिवर्तन स्थायी / अस्थायी होता है।

DATE

5- अधिगम सकारात्मक एवं नकारात्मक दोनों हो सकता है।
6- अधिगम व्यवहार में परिवर्तन की मानवीय क्रिया है।
7- अधिगम प्रक्रिया उद्देश्य पूर्ण प्रक्रिया है।
8- अधिगम व्यक्ति को आवश्यक समायोजन और ग्रहणशील के लिए तैयार किया जाता है।
9- अधिगम सहज क्रिया नहीं है।
10- परिपक्वता, थकान, बीमारी, नशे आदि के कारण व्यवहार में परिवर्तन का अधिगम से कोई सम्बन्ध नहीं होता है।

अधिगम की विशेषताएँ
(CHARACTERISTICS of LEARNING)

1- अधिगम परिवर्तन है।
2- अधिगम सम्पूर्ण जीवन चलता है।
3- सीखना विकास है।
4- सीखना अनुकूलन है।
5- सीखना सार्वभौमिक है।
6- सीखना नया कार्य करना है।
7- सीखना अनुभवों का संगठन है।
8- सीखना उद्देश्यपूर्ण है।
9- सीखना विवेक पूर्ण है।
10- सीखना सक्रियता है।
11- सीखना व्यक्तिगत और सामाजिक दोनों है।
12- सीखना वातावरण की उपज है।

अधिगम के प्रकार
(Types of Learning)

सीखने के सिद्धान्तों, विधियों, सीखने की समाग्री, और सीखने का ढंग आदि को ध्यान में रखते हुए मनोवैज्ञानिकों ने सीखने अथवा अधिगम के प्रकारों के लिए कई वर्गीकरण किये हैं।

निम्न प्रकार वर्गीकरण किये गये हैं।

संवेदन गति सीखना (Sensory Motor learning)
गामक सीखना (Motor learning)
बौद्धिक सीखना (Intellectual learning)

संवेदनगति सीखना → संवेदन गति सीखनें की प्रक्रिया में कौशल अर्जन सम्बन्धी ज्ञान आता हैं। इसें व्यक्ति द्वारा विभिन्न प्रकार की कुशलताए अर्जित किया जाता है
जैसे- तैरना, पेड़ पर चढ़ना, बाइक चलाना, टाइपिंग करना चित्र बनाना आदि

गामक सीखना
इस प्रकार सीखनें की प्रक्रिया में व्यक्ति विकास की प्रारम्भिक अवस्था शरीर में संचालन एवं गति पर नियन्त्रण करना सीखता है।

बौद्धिक सीखना
इसके अन्तर्गत ज्ञानोपार्जन सम्बन्धी समस्त क्रियाए आती हैं।
ये निम्नवत हैं।
1- प्रत्यक्षीकरण
2. सम्प्रत्ययात्मक सीखना
3. सहचर्यात्मक सीखना
4- रसानुभूतिपरक सीखना

प्रत्यक्षीकरण - इस प्रकार के सीखने मे व्यक्ति इन्द्रियो की सहायता से पदार्थ और बाह्य घटनाओं या तथ्यो को जानने की क्रिया करता है यह एक मानसिक क्रिया है इनमे निम्न क्रियाए सम्मलित है, जैसे किसी उत्तेजक का उपस्थित होना, उत्तेजक के ज्ञानेन्द्रियों को प्रभावित करना उत्तेजक अनुभव को मस्तिष्क मे स्थित बोध केन्द्र तक पहुंचाना सम्वेदन का अर्थ जुड़कर प्रत्यक्षीकरण होना